सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 6

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारतीय कृषि को सक्षम और लाभदायक बनाने के लिए क्या करना होगा? 1

(a) बड़े किसानों को प्रोत्साहित करना होगा

(b) छोटे और सीमांत किसानों की स्थिति सुधारने पर जोर देना होगा।

(c) फसलों की ज्यादा कीमत देनी होगी

(d) रासायनिक खाद कम कीमत पर उपलब्ध करानी होगी

उत्तर (b) छोटे और सीमांत किसानों की स्थिति सुधारने पर जोर देना होगा।

2. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखे– 1
इंग्लैंड में 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में औद्योगिकीकरण प्रारम्भ हुआ जबकि फ्रांस और जर्मन राज्यों में यह 18वीं सदी के दौरान ही हो सका।

उत्तर

इंग्लैंड में **18**वीं सदी के उत्तरार्द्ध में औद्योगिकीकरण प्रारम्भ हुआ जबकि फ्रांस और जर्मन राज्यों में यह **19**वीं सदी के दौरान ही हो सका।

3. निम्नलिखित तालिका को प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए– 1

उद्देश्य	आयोजन वर्ष	स्थान
विश्व स्तर पर उभरते पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक आर्थिक विकास की समस्याओं का हल ढूँढ़ने के लिये	(A)–?	(B)–?

उत्तर

(A) – 1992

(B) – रियो डी जेनेरो, ब्राजील

4. श्रीलंका को स्वतंत्रता कब प्राप्त हुई? 1

उत्तर 4 फरवरी, 1948।

अथवा

बेल्जियम को स्वतंत्रता कब प्राप्त हुई?

उत्तर 19 अप्रैल, 1839।

5. दल–बदल कानून से विधायकों और सांसदों को क्या हानि होती है? 1

(a) उनको अपनी सीट गँवानी पड़ती है।

(b) वे भविष्य में चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

(c) उनकी सम्पत्ति जब्त हो जाती है।

(d) उनको सजा हो जाती है।

उत्तर (a) उनको अपनी सीट गँवानी पड़ती है।

6. औपचारिक ऋण स्रोतों की विशेषता है– 1

(a) सरकारी नियंत्रण

(b) अधिक ब्याज दर

(c) मनमानी करना

(d) किसी समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता नहीं

उत्तर (a) सरकारी नियंत्रण

7. एक राजनीतिक दल में नेता सक्रिय सदस्य और ..... जैसे घटक होते हैं। 1

उत्तर अनुयायी

8. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प इस चित्र को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

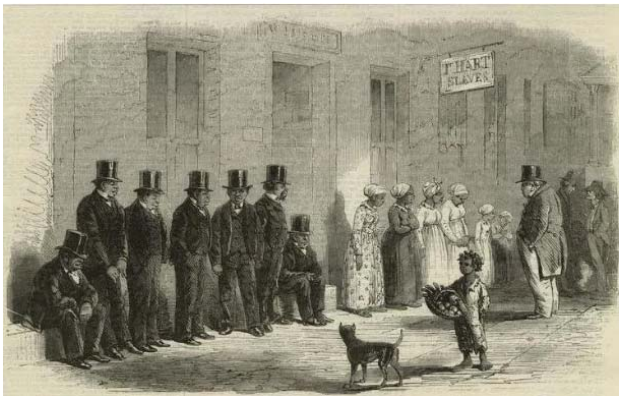

(a) भिक्षुओं की कतार
(b) रेलवे प्लेटफॉर्म का दृश्य
(c) गुलामों की खरीद–फरोख्त
(d) कर्मचारियों की हड़ताल

उत्तर (c) गुलामों की खरीद–फरोख्त

9. निम्नलिखित को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए– 1
1. जमशेदपुर में लौह इस्पात संयंत्र की स्थापना।
2. मद्रास में पहली कताई–बुनाई मिल की स्थापना।
3. कानपुर (उ.प्र.) में एल्गिन मिल की स्थापना।
4. बम्बई में पहली कपड़ा मिल की स्थापना।

(a) 4–1–3–2 (b) 4–1–2–3
(c) 4–2–3–1 (d) 4–3–2–1

उत्तर (d) 4–3–2–1

10. स्वतंत्रता के तुरंत बाद विकसित पहला बंदरगाह ..... है। 1

उत्तर कांडला

11. सत्ता का क्षैतिज वितरण क्या है? 1

उत्तर

सत्ता का शासन के विभिन्न अंगों में वितरण होता है।

अथवा

सत्ता की साझेदारी क्यों जरूरी है?

उत्तर

यह संघर्ष की संभावनाओं को कम करती है तथा प्रजातांत्रिक भावनाओं के अनुकूल है।

12. सूची–I (समाचार–पत्र/पुस्तक) का सूची–II (सम्बन्धित व्यक्तित्व) से मिलान करें– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	गुलामगिरी	क	जयदेव
2.	संवाद कौमुदी	ख	बाल गंगाधर
3.	केसरी	ग	ज्योतिबा फुले
4.	गीत गोविन्द	घ	राजा राममोहन राय

उत्तर 1–ग 2–घ, 3–ख, 4–क

13. भारत में कितनी भाषाओं को संवैधानिक मान्यता दी गई है? 1

उत्तर 22

अथवा

राज्य सूची के विषय पर कौन–सी सरकार कानून बना सकती है?

उत्तर राज्य सरकार।

14. "भारत में चीनी मिलें दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों की ओर स्थानान्तरित हो रही हैं।" इस कथन के पक्ष में एक कारण दीजिए। 1

उत्तर

इन राज्यों में गन्ने की उपज के लिए बेहतर जलवायविक दशाएँ उपलब्ध हैं।

15. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार विश्व के देशों में निवेश करती हैं? 1

उत्तर

स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी करके।

अथवा

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विदेशों में निवेश क्यों करती हैं?

उत्तर

अपनी परिसंपत्तियों को बढ़ाने के लिए।

16. लोकतंत्र में ..... की तुलना में अधिक सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। 1

उत्तर तानाशाही

अथवा

व्यावहारिक रूप से लोकतांत्रिक देश ..... असमानताओं को कम करने में बहुत सफल नहीं दिखते हैं।

उत्तर आर्थिक

17. नीचे दिया गया कार्टून निम्न विकल्पों में से क्या दर्शाता है?

(a) भ्रष्ट नेताओं के बैंक लॉकर

(b) निर्धनता और बेरोजगारी

(c) जाति के अन्दर राजनीति

(d) जातिगत असमानता

उत्तर (c) जाति के अन्दर राजनीति

18. निम्नलिखित तालिका में दिए गए आँकड़ों के आधार पर पुरुषों की तुलना में भारतीय महिलाओं की स्थिति के बारे में क्या कह सकते हैं? 1

तालिका : उत्तर प्रदेश में ग्रामीण जनसंख्या की उपलब्धि

श्रेणी	पुरुष	महिला
ग्रामीण जनसंख्या की साक्षरता दर	52%	19%
10–14 वर्ष के बच्चों में साक्षरता दर	68%	39%
10–14 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले ग्रामीण बच्चों का प्रतिशत	64%	31%

(a) ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में साक्षरता बहुत अधिक है।

(b) सरकार और समाजसेवी संस्थाओं ने महिला साक्षरता के लिये अनेक कदम उठाए है।

(c) ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में साक्षरता बहुत ही कम है।

(d) महिलाओं के साथ होने वाले सामाजिक अन्याय ने महिलाओं की स्थिति समाज में काफी कमजोर कर दी है।

उत्तर (c) ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में साक्षरता बहुत ही कम है।

19. निम्नलिखित में से कौन–सा अधात्विक खनिज है? 1

(a) सीसा (b) अभ्रक

(c) जस्ता (d) ताँबा

उत्तर (b) अभ्रक

20. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : भारत में 1973–74 और 2013–14 के बीच 40 वर्षों में जब तीनों क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ा है। यह तृतीयक क्षेत्र में सबसे अधिक बढ़ा है।

कारण (R) : तृतीयक क्षेत्र अर्थव्यवस्था में एकमात्र संगठित क्षेत्र है, इसलिए सरकार तृतीयक क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए बहुत पैसा खर्च करती है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (c) A सही है, लेकिन R गलत है।

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. वैश्वीकरण से आपका क्या आशय है? 3

उत्तर :

वैश्वीकरण से आशय है व्यापार, वित्तीय प्रवाह तथा प्रौद्योगिकी एवं सूचनाओं के नेटवर्कके माध्यम से विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का समन्वय एवं एकीकरण। इस प्रकार वैश्वीकरण में वस्तुओं व सेवाओं के सीमापार सौदों, अंतर्राष्ट्रीय पूँजी प्रवाह एवं प्रौद्योगिकी के व्यापार एवं तीव्र प्रसार से विभिन्न देशों के बीच आर्थिक अंतर्निर्भरता बढ़ जाती है। वैश्वीकरण की अवधारणा में राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आधार शामिल होते हैं।

अथवा

डब्ल्यू.टी.ओ.(WTO) या विश्व व्यापार संगठन क्या हैं?इससे क्या उम्मीद की जाती है?

उत्तर :

1. **विश्व व्यापार संगठन (W.T.O) का अर्थ–** विश्व व्यापार संगठन एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो सदस्य राष्ट्रों के बीच व्यापार संबंधी नियमों को संचालित एवं विनियोजित करता है। इसकी स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई। इसका मुख्यालय जेनेवा में हैं।
2. **अपेक्षाएँ–** विश्व व्यापार संगठन से निम्नलिखित कार्यों की उम्मीद की जाती है–

(a) विश्व व्यापार संगठन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को संगठित करता रहे।

(b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए कई तरह के नियम बनाता रहे तथा वे नियम सभी राष्ट्रों के यथासंभव हितों की बराबर रक्षा करते रहें।

(c) विभिन्न देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते करवाता रहे। इस संगठन को निष्पक्ष रूप से देखना चाहिए कि वह समझौता ईमानदारी से लागू हुआ या नहीं।

22. औद्योगीकरण का अर्थ सदैव कारखानों की स्थापना ही नहीं होता है। इस कथन की पुष्टि कीजिए। 3

उत्तर :

1. औद्योगीकरण में कारखानों में वृहत् स्तर पर वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है, किन्तु यूरोप में वस्तुओं के उत्पादन की एक ऐसी अवस्था देखी गई जब वहाँ कोई कारखाना नहीं था। इसे ही आदि–औद्योगीकरण की अवस्था कहा जाता है।
2. शहर के गिल्ड्स से परेशान होकर सौदागर गांवों की ओर

जाने लगे। उन्होंने किसानों तथा सौदागरों को पेशगी की रकम दी जो जीविका-विहीन किसानों ने तुरंत स्वीकार कर ली। इन कामगारों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिये वस्तुओं के उत्पादन हेतु प्रोत्साहित किया गया।

3. किसानों तथा कारीगरों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिये वृहत् स्तर पर वस्तुओं का उत्पादन किया। इससे उन्हें न केवल रोजगार मिला बल्कि बिना फैक्ट्री की स्थापना के भी वस्तुओं के उत्पादन के उच्च स्तरीय लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सका।

अतः यह कहा जा सकता है कि औद्योगीकरण का अर्थ हमेशा कारखानों की स्थापना ही नहीं होता है।

अथवा

कारखाना प्रणाली का क्या तात्पर्य है? इस प्रणाली के उभरने के दो कारण भी लिखिए।

उत्तर :

कारखाना प्रणाली का तात्पर्य-आधुनिक फैक्ट्री सिस्टम को कारखाना प्रणाली कहा जाता है। इस प्रणाली से पहले औद्योगिक उत्पादन कुटीर या बहुत ही लघु पैमाने अथवा लघु स्तर (Cottage industry and Small Scale industries) के अंतर्गत परंपरावादी उपकरणों और तरीकों से प्रायः किसी परिवार के लोगों द्वारा घर पर या कुछ शिल्पकारों द्वारा किया जाता था लेकिन कारखाना प्रणाली में प्रायः आधुनिक मशीनों, उपकरणों और सुविधाओं का बड़े पैमाने पर अधिक संख्या में मजदूरों द्वारा एक विशिष्ट प्रशिक्षित प्रबंधन की देख-रेख में उत्पादन किया जाता है।

कारखाना प्रणाली या पद्धति के उभरने के दो कारण-

1. मनुष्य की नित नए अनुसंधान करने की प्रवृत्ति से कम समय में बड़े पैमाने का उत्पादन करने वाली मशीनों की खोज।
2. औपनिवेशिक या साम्राज्यवादी मनोवृत्ति।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़े और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें- $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

देसी अखबारों और राजनीतिक सभाओं की वही भूमिका होती है जो इंग्लैंड के हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्ष की होती है। यानि कि सरकारी नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कर, लोगों के हित साधने में अक्षम हिस्सों को निकालें और सुधार करें तथा उनको तेजी से लागू करने का काम करें।

"इन सभाओं को चाहिए कि वे देश के खास मुद्दों पर नाना तरह की सूचनाएँ जमा करें और क्या संभव और वांछित सुधार हैं वह बताएँ, इन कार्यों का काफी असर होगा।"

स्रोत ख

"वाणी की स्वतंत्रता ..... प्रेस की आजादी ..... सामूहिकता की आजादी। भारत सरकार अब जनमत को व्यक्त करने और बचाने के इन तीन ताकतवर औजारों को दबाने की कोशिश कर रही है। स्वराज, खिलाफत की लड़ाई सबसे पहले तो इन संकटग्रस्त आजादियों की लड़ाई है।"

स्रोत ग

"अगर किसी ने मुझे पढ़ते देखा होगा तो उसने मुझे उस प्यासे की तरह पाया होगा जो शुद्ध ताजा पानी मिलने पर गटागट पीने लगता है... बड़े एहतियात से लालटेन जलाने के बाद मैं खुद को किताबों में डुबो देता था। और वाक् और अर्थ के प्रवाह में मैं पन्ना-दर-पन्ना बहता चला जाता था, अनायास और अनजान। खामोशी के साए में घड़ियाल हर घंटे बजता चला जाता था, पर मुझे सुनाई नहीं पड़ता था। तेल खत्म होने से मेरी लालटेन की लौ पीली पड़ने लगती थी, पर मैं था कि पढ़ता जाता। मैं बत्ती उठाने की जहमत भी नहीं लेता था कि मेरे आनंद में व्यवधान न पड़े और वे नए विचार किस वेग से मेरे सिर में घुसते थे। मेरी बुद्धि कैसे उन्हें आत्मसात् करती थी।"

स्रोत क

23.1 अखबार का क्या काम है? 1

उत्तर :

सरकारी नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कर, लोगों के हित साधने में अक्षम हिस्सों को निकालना और सुधार करके उनको तेजी से लागू करना।

स्रोत ख

23.2 जनता के विचारों को व्यक्त करने तथा बचाने के तीन शक्तिशाली औजार कौन-से हैं? 1

उत्तर :

तीन शक्तिशाली औजार हैं- वाणी की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी, सामूहिकता की आजादी।

स्रोत ग

23.3 जब लेखक पढ़ रहा होता था तो किसी को कैसा लगता था? 1

उत्तर :

वह एक प्यासे की तरह लगता था जो शुद्ध ताजा पानी मिलने पर गटागट पीने लगता है।

24. भारत में नवीकरण-योग्य ऊर्जा संसाधनों के उपयोग की अति आवश्यकता क्यों है? कोई पाँच कारण स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

1. जीवाश्मी ईंधन तीव्र गति से समाप्त हो रहे हैं। यदि ये समाप्त हो गए तो मानव विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।
2. गैस व तेल की बढ़ती कीमतों से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं।
3. जीवाश्मी ईंधनों का प्रयोग गंभीर पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न करता है।
4. नवीकरणीय ऊर्जा साधनों के उपयोग से पर्यावरण को

कोई हानि नहीं होती है तथा निकट भविष्य में समाप्त होने का भी कोई खतरा नहीं है।

5. नवीकरणीय ऊर्जा साधन अत्यंत सस्ते हैं जिससे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

अथवा

सौर ऊर्जा संयंत्र की कार्यप्रणाली का वर्णन करें।

उत्तर :

1. सौर ऊर्जा संयंत्र सौर ऊर्जा ग्रहण करके विद्युत उत्पन्न करता है।
2. इसमें कई गतिमान दर्पण होते हैं जो सूर्य की किरणों को परावर्तित करते हैं जहाँ पानी को गर्म किया जाता है।
3. सूर्य की किरणें पानी को उबालती हैं और भाप उत्पन्न करती हैं।
4. भाप से टरबाइन चलाये जाते हैं।
5. टरबाइन विद्युत उत्पन्न करते हैं।
6. सौर सैल जिनमें सिलीकॉन कण होते हैं विद्युत उत्पन्न करते हैं।

25. सीमेंट उद्योग की स्थापना कहाँ की जाए कि वह आर्थिक रूप से लाभदायक रहे? 3

उत्तर :

सीमेंट उद्योग में चूना पत्थर, सिलिका, एलूमिना, जिप्सम तथा कोयले जैसे वजनदार और अत्यधिक मात्रा के कच्चे माल का प्रयोग होता है। इस दृष्टि में इन इकाइयों को उस स्थान पर लगाया जाए जहाँ ये सभी वस्तुएँ आसानी से उपलब्ध हो जाएँ। इसलिये गुजरात प्रमुख रूप से इस उद्योग के लिए अनुकूल है जहाँ पर यह उद्योग पहले से काफी विकसित है और इस उद्योग के लिये पर्याप्त मात्रा में सस्ता कच्चा माल उपलब्ध है।

26. धरती के पास सब लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन एक भी व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। यह कथन विकास की चर्चा में कैसे प्रासंगिक है? चर्चा कीजिए। 3

उत्तर :

हमारी धरती के पास संसाधनों के अपार भंडार हैं। यदि हम धारणीयता को ध्यान में रखकर संसाधनों का प्रयोग करते हैं तो धरती हमें निराश नहीं करेगी। यह हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संसाधन उपलब्ध कराती रहेगी। लेकिन यदि कोई व्यक्ति लालचवश संसाधनों का दुरुपयोग करता है तो धरती के पास एक अकेले व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए संसाधनों का अकाल पड़ जाएगा। संसाधनों का दुरुपयोग अमानवीय है। इससे एक व्यक्ति के लालच के कारण पूरे समुदाय या समाज को संसाधनों से वंचित रहना पड़ सकता है और इससे देश का विकास रुक जाएगा। देश का संतुलित विकास होता रहे इसके लिए आवश्यक है कि संसाधनों का उचित नियोजन के अनुसार प्रयोग किया जाए।

27. राजनीतिक दलों के किन्हीं तीन प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए। 3

उत्तर :

1. चुनाव लड़ना अर्थात् लोकतंत्र में प्रायः सभी दल–राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अपनी सदस्य शक्ति के अनुसार चुनाव लड़ते हैं, उम्मीदवार उतारते हैं और प्रतिद्वंद्वियों को पराजित करने की कोशिश करते हैं।
2. भिन्न–भिन्न नीतियों और कार्यक्रमों को अग्रसरित करना अर्थात् हर राजनीतिक दल का अपना–अपना कार्यक्रम और नीतियाँ होती हैं।
3. देश के लिए कानून बनाना अर्थात् विधायिकाओं और संसद में राजनीतिक दल कानून बनाते हैं।

अथवा

लगभग प्रत्येक प्रांतीय दल एक या दूसरे राष्ट्रीय स्तर के गठबंधन का हिस्सा बनने का अवसर चाहता है। तर्कों सहित कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर :

1. पिछले तीन दशकों में प्रांतीय दलों की संख्या एवं ताकत में वृद्धि हुई है। परिणामतः भारतीय संसद विविधताओं के साथ और अधिक संपन्न होती जा रही है।
2. लोकसभा में किसी एक राष्ट्रीय दल के बहुमत के अभाव में वे प्रांतीय दलों के साथ गठबंधन करने को मजबूर हुए हैं।
3. निःसंदेह 1996 के बाद से लगभग प्रत्येक प्रांतीय दल को एक अथवा दूसरी राष्ट्रीय स्तर की गठबंधन सरकार का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। फलतः देश में संघवाद तथा लोकतंत्र को मजबूत आधार प्राप्त हुआ है।

28. बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से स्थानीय कंपनियाँ किस प्रकार लाभान्वित होती हैं? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ मिलकर काम करने से स्थानीय कंपनियों को अनेक प्रकार से लाभ हो सकता हैं–

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियों से उन्हें अतिरिक्त धन प्राप्त हो सकता है जिससे वे अपनी गतिविधियों को पहले से कही अधिक बढ़ा सकती हैं।
2. वे बहुराष्ट्रीय कंपनियों की उन्नत तकनीक और अनुभव का लाभ उठाकर अपना उत्पादन बढ़ा सकती हैं।
3. विदेशों में स्थानीय कंपनियों के माल का निर्यात करने में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उनकी विशेष सहायता कर सकती हैं।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. भारत में कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सरकार के द्वारा किए गए किन्हीं पाँच संस्थागत सुधारों को स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

1. भूमि पर पुश्तैनी अधिकार के कारण यह टुकड़ों में बंटती जा रही थी जिसकी चकबंदी करना अनिवार्य था। इसलिए देश में संस्थागत सुधार करने के लिए जोतों की चकबंदी, सहकारिता तथा जमींदारी आदि समाप्त करने को प्राथमिकता दी गई।
2. पैकेज टेक्नोलॉजी पर आधारित हरित क्रांति तथा श्वेत क्रांति (ऑपरेशन फ्लड) जैसी कृषि सुधार के लिए कुछ रणनीतियाँ आरंभ की गई थीं।
3. भूमि विकास कार्यक्रम शुरू किया गया। इस दिशा में उठाए गए कुछ महत्त्वपूर्ण कदमों में सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग तथा बीमारी के लिए फसल बीमा के प्रावधान और किसानों को कम दर पर ऋण सुविधाएँ प्रदान करने के लिए ग्रामीण बैंकों, सहकारी समितियों और बैंकों की स्थापना सम्मिलित थे।
4. किसानों के लाभ के लिए भारत सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना (पीएआईएस) भी शुरू की।
5. आकाशवाणी और दूरदर्शन पर किसानों के लिए मौसम की जानकारी के बुलेटिन और कृषि कार्यक्रम प्रसारित किए गए। किसानों को बिचौलियों और दलालों के शोषण से बचाने के लिए न्यूनतम सहायता मूल्य और कुछ महत्त्वपूर्ण फसलों के लाभदायक खरीद मूल्यों की सरकार ने घोषणा की।

अथवा

भारतीय कृषि में खाद्य उत्पादन में गिरावट क्यों आरंभ हुई? हम इस समस्या पर कैसे नियंत्रण पा सकते हैं?

उत्तर :

कारण– भारतीय कृषि में खाद्यान्नों के उत्पादन में गिरावट निम्न कारणों से आरंभ हुई–

1. किसानों ने खाद्य फसलों के स्थान पर नकदी फसलों का उत्पादन आरंभ कर दिया।
2. खाद्य फसलों की कृषि का स्थान फल, सब्जी, तिलहन आदि की कृषि ने ले लिया।
3. किसानों ने पशुपालन आरंभ किया जिससे तुरंत आय होती है।
4. अपनी आय बढ़ाने के लिए किसानों ने उद्यान कृषि को अपना लिया।

समस्या का हल– इस समस्या को हल करने के लिए निम्न सुझाव है–

1. किसानों को खाद्य फसलों को उगाने के लिए आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए।
2. खाद्य फसलों के उत्पादन के लिए खाद आदि के लिए आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए।
3. खाद्य फसलों का मूल्य फसल से पहले ही घोषित कर देना चाहिए जिससे किसानों को जानकारी हो जाए कि उन्हें अपनी फसल का क्या मूल्य मिलेगा।
4. किसी प्राकृतिक आपदा आदि से फसल के नुकसान की स्थिति में पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए।

30. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़ें एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

'क्रांति की इस पूजा–वेदी पर हम अपना यौवन नैवेद्य के रूप में लाए हैं'

बहुत सारे राष्ट्रवादियों को लगता था कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा के जरिए पूरा नहीं हो सकता। 1928 में दिल्ली स्थित फ़िरोजशाह कोटला मैदान में हुई बैठक में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच.एस.आर.ए.) की स्थापना की गई। इसके नेताओं में भगत सिंह, जतिन दास और अजॉय घोष शामिल थे। देश के विभिन्न भागों में कार्रवाइयाँ करते हुए एच.एस.आर.ए. ने ब्रिटिश सत्ता के कई प्रतीकों को निशाना बनाया। 1929 में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने लेजिस्लेटिव असेंबली में बम फेंका। उसी साल उस ट्रेन को उड़ाने का प्रयास किया गया जिसमें लॉर्ड इरविन यात्रा कर रहे थे। जिस समय भगत सिंह पर मुकदमा चला और उन्हें फाँसी दी गई उस समय उनकी उम्र केवल 23 साल थी। अपने मुकदमें के दौरान भगत सिंह ने कहा था कि वे बम और पिस्तौल की उपासना नहीं करते बल्कि समाज में क्रांति चाहते हैं–

'क्रांति मानवजाति का जन्मजात अधिकार है जिसका अपहरण नहीं किया जा सकता। स्वतंत्रता प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। श्रमिक वर्ग ही समाज का वास्तविक पोषक है, जनता की सर्वोपरि सत्ता की स्थापना श्रमिक वर्ग का अंतिम लक्ष्य है। इन आदर्शों के लिए और इस विश्वास के लिए हमें जो भी दंड दिया जाएगा, हम उसका सहर्ष स्वागत करेंगे। क्रांति की इस पूजा–वेदी पर हम अपना यौवन नैवेद्य के रूप में लाए हैं, क्योंकि ऐसे महान आदर्श के लिए बड़े–से–बड़े त्याग भी कम है। हम संतुष्ट हैं और क्रांति के आगमन की उत्सुकतापूर्वक प्रतीक्षा कर रहे हैं।

'इंकलाब ज़िंदाबाद!'

भगतसिंह, बटुकेश्वरदत्त, 'बमकांड पर सेशन कोर्ट में बयान' (6 जून 1929 दिल्ली), भगतसिंह और उनके साथियों के दस्तावेज, जगमोहन सिंह, चमनलाल (सं) से उद्धृत, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली, 2005

30.1 हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (HSRA) के पीछे क्या दर्शन है?

30.2 क्या आप यह सोचते हैं कि स्वतंत्रता और संघर्ष को जीतने के लिए कभी–कभी हिंसा आवश्यक होती है?

30.3 एच. एस. आर. ए. का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर :

30.1

एच.एस.आर.ए. इसमें विश्वास करता है कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा से नहीं जीता जा सकता।

30.2

हाँ, मैं इससे सहमत हूँ कि अत्याचारी विरोधी को कुचलने के लिए कभी–कभी हिंसा आवश्यक होती है। यह आवश्यक नहीं है परंतु कभी–कभी न्यायिक है। क्रूरता खेदजनक है, पर जरूरी नहीं कि वह बुराई हो जब आप देश की मर्यादा और स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हों। यदि कार्य के पीछे इरादे पवित्र और अच्छे हैं तो हिंसा कभी भी बुरी नहीं होती। हालाँकि, हिंसा न्याय परायण आदर्शों वाली हो, अन्यथा वह जंगली हो जाती है और निर्दोषों को चोट पहुँचाती है।

पुराने दिनों में, इन्हीं आदर्शों को 'क्षात्रधर्म' कहा जाता था। सी.एस. लेविस ने क्षात्रधर्म को ऐसे संभावित तरीके के रूप में परिभाषित किया है जो भेड़ियों, जो जीवन को वांछनीय बनाने वाली वस्तुओं को समझ नहीं पाते हैं और भेड़ें जो बचाव नहीं कर सकतीं, में विभाजित विश्व से बचाव करता है।

अहिंसा अपने आप में प्रशंसनीय आदर्श है, परंतु यह जो कीमत माँगती है वह है कि या तो आपको भेड़ियों का शिकार होना स्वीकार्य हो, या फिर रक्षा के लिए शिकारी पर निर्भर होना पड़ेगा। निश्चित दशाओं में हिंसा जरूरी है, जब आपका या आपके प्रियजनों का जीवन खतरे में होता है तब आप वही करते हैं जो स्वयं के या अन्य के बचाव के लिए आवश्यक हो। और हाँ! मैं अपने देश से प्यार करता हूँ।

30.3

1928 में दिल्ली स्थित फ़िरोजशाह कोटला मैदान में हुई बैठक में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच.एस.आर.ए.) की स्थापना की गई। इसके नेताओं में भगत सिंह, जतिन दास और अजॉय घोष शामिल थे। देश के विभिन्न भागों में कार्रवाइयाँ करते हुए एच.एस.आर.ए. ने ब्रिटिश सत्ता के कई प्रतीकों को निशाना बनाया। 1929 में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने लेजिस्लेटिव असेंबली में बम फेंका। उसी साल उस ट्रेन को उड़ाने का प्रयास किया गया जिसमें लॉर्ड इरविन यात्रा कर रहे थे।

31. क्या आप इससे सहमत है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप संघीय है, परन्तु इसकी प्रकृति एकल है? अपने उत्तर के समर्थन में तीन कारण बताएँ। 5

उत्तर :

हाँ, मैं इससे सहमत हूँ कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप संघीय है, परन्तु इसकी प्रकृति एकल है। इसे निम्न बिन्दुओं द्वारा समझा जा सकता है–

1. **सत्ता की साझेदारी–** भारत के संविधान में दी गई केन्द्र और राज्य के बीच सत्ता की साझेदारी की व्यवस्था इन दोनों के बीच सत्ता का विभाजन स्पष्ट रूप से करती है। इस अर्थ में यह संघीय है, परन्तु यह प्रणाली तब एकल लगती है जब अवशिष्ट शक्तियाँ संघ के पास होती हैं।
2. **समवर्ती सूची–** संघ और राज्य दोनों के क्रमशः संघ और राज्य सूचियों में अलग–अलग विषय हैं। यह भारतीय सरकार की संघीय प्रकृति को दर्शाता है। समवर्ती सूची में उल्लिखित विषयों पर केन्द्र एवं राज्य सरकार दोनों ही कानून बना सकते हैं, किन्तु इन कानूनों में किसी भी तरह के विवाद की स्थिति में केवल केन्द्र सरकार के कानून ही प्रभावी होंगे। यह एकल प्रकृति को दर्शाता है।
3. **वित्तीय व्यवस्था–** संघ और राज्य दोनों के पास अपने–अपने वित्तीय संस्थान, राजस्व के स्त्रोत एवं वितरण हैं। इस दृष्टि से यह संघीय है, परन्तु राज्यों द्वारा केन्द्र से अनुदान की माँग भारतीय सरकार की एकल प्रकृति संबंधी विशेषता को दर्शाती है।
4. **न्यायपालिका–** सम्पूर्ण देश के लिए सर्वोच्च न्यायालय एवं राज्यों के लिए उच्च न्यायालयों का प्रावधान एक संघीय विशेषता है, परन्तु सर्वोच्च न्यायालय का उच्च न्यायालयों पर आधिपत्य अथवा श्रेष्ठता एकल विशेषता है।

इस प्रकार स्वाभाविक रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप संघीय है जबकि इसकी प्रकृति एकल है।

32. भारत सरकार ने नारी असमानता को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए हैं? 5

उत्तर :

1. दहेज को अवैध घोषित कर दिया गया है। दहेज लेना और देना दोनों दंडनीय अपराध हैं।
2. कानून बनाकर परिवार की संपत्ति में औरतों को बराबर का हक दे दिया गया है।
3. औरतों के हितों को विशेष संरक्षण देने के लिए समूचे देश में प्रशासनिक कक्ष स्थापित कर दिए गए हैं।
4. अधिकांश राज्यों में स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित कर दिए गए है जबकि संसद और विधानमंडलों में उनके लिए स्थानों के आरक्षण के लिए सक्रिय रूप से विचार–विमर्श चल रहा है ताकि शीघ्र–से–शीघ्र कानून बनाकर उन्हें विधायिका में और अधिक प्रतिनिधित्व दिया जा सके। भारतीय लोकतंत्र में कार्यरत सभी प्रमुख प्रगतिशील राजनीतिक दल और नेता सरकार पर दबाव डालकर संसद में अधिनियम पास कराना चाहते हैं।
5. महिलाओं में शिक्षा प्रसार के लिए और उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ–साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।
6. देश में महिला सशक्तिकरण अभियान और प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ गैर–सरकारी संगठन भी इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

33. असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों को मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दो पर संरक्षण की आवश्यकता है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है। इसे निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है–

1. **मजदूरी–** असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का काम करने का समय निश्चित नहीं है। उन्हें 10 से 12 घंटे तक बिना ओवरटाइम के कार्य करना पड़ता है। इन श्रमिकों में प्रायः रोजगार सुरक्षा का अभाव पाया जाता है। गरीबी के कारण ये प्रायः कम मजदूरी दरों पर काम करने को तैयार हो जाते हैं। इसलिए इन्हें इस सन्दर्भ में सुरक्षा दी जानी चाहिए। इनके भी काम करने के घंटे तथा मजदूरी निश्चित होनी चाहिए।
2. **सुरक्षा–** असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों को किसी प्रकार का संरक्षण और सुरक्षा प्राप्त नहीं है। सभी श्रमिकों को रोजगार की सुरक्षा होनी चाहिए। ऐसा न हो कि मालिक जब चाहे श्रमिकों को काम से बाहर निकाल दें। यदि किन्हीं कारणों से श्रमिकों को नौकरी से बाहर निकालना भी पड़ता है तो भी उनकी क्षतिपूर्ति होनी चाहिए।

   कारखाने में काम करते समय या ड्यूटी पर आते समय या घर लौटते समय यदि किसी श्रमिक के साथ कोई दुर्घटना घट जाती है तो भी उसकी क्षतिपूर्ति होनी चाहिए।
3. **स्वास्थ्य–** असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी संरक्षण मिलना चाहिए। उनके काम करने के स्थानों पर सभी चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रत्येक कर्मचारी को चिकित्सा भत्ता उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

अथवा

अहमदाबाद में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि नगर के 15,00,000 श्रमिकों में से 11,00,000 श्रमिक असंगठित क्षेत्रक में काम करते थे। वर्ष 1997–98 में नगर की कुल आय 600 करोड़ रुपये थी इसमें से 320 करोड़ रुपये संगठित क्षेत्रक से प्राप्त होती थी। इस आँकड़े को तालिका में प्रदर्शित कीजिए। नगर में और अधिक रोजगार–सृजन के लिए किन तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए?

उत्तर :

अहमदाबाद में श्रमिक और उनकी आय

अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	संगठित	असंगठित	कुल
श्रमिक	400000	1100000	1500000
कुल आय (1997–98)	320 करोड़	280 करोड़	600 करोड़

इन आँकड़ों के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि संगठित क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र की तुलना में कम श्रमिक लगे हैं किंतु उनकी आय असंगठित क्षेत्र से ज्यादा है। इसका यह अर्थ हुआ कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बहुत कम वेतन मिलता है। नगर में और अधिक रोजगार–सृजन के लिए निम्नलिखित तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए–

1. सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और संयुक्त क्षेत्र में नए–नए उद्योग लगाए जाने चाहिए।
2. कम ब्याज पर दीर्घकालीन पर्याप्त ऋण शहर में रहने वाले लोगों को दिए जाने चाहिए ताकि वे स्वयं ही अपने लिए रोजगार और धंधे जुटा सकें।
3. निर्माण गतिविधियाँ हर क्षेत्र में तेज की जानी चाहिए; जैसे रिहायशी बस्तियाँ बनाना, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाना, अस्पताल बनाना, स्कूल बनाना इत्यादि।
4. उद्योग संरक्षण की नीति के अंतर्गत सभी बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराकर पुनर्जीवित करना चाहिए।
5. लघु और कुटीर उद्योगों को अधिक–से–अधिक बढ़ावा देना चाहिए।

34. सस्ता और सामर्थ्य के अनुकूल कर्ज ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में गरीब परिवारों के लिए अति आवश्यक है। इस कथन के संदर्भ में इससे जुड़े सामाजिक और आर्थिक मूल्यों की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

भारत एक विकासशील देश है। देश के स्तर को अधिक खुशहाल बनाने के लिए यह आवश्यक है कि यहाँ बेरोजगारी को समाप्त किया जाये तथा गरीबी दूर की जाये। इन समस्याओं को हल करने हेतु गरीब तथा बेरोजगारों को छोटे रोजगार लगाने की सलाह दी जानी चाहिए तथा उन्हें सस्ता और सामर्थ्य के अनुकूल कर्ज दिलाया जाये। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे किसानों को तथा शहरी क्षेत्रों में बेरोजगार गरीब लोगों को उचित एवं सामर्थ्य के अनुसार कम ब्याज पर ऋण दिलाया जाये।

ग्रामीण छोटे किसानों तथा शहरी गरीब लोगों को रोजगार आदि के लिए सस्ती ब्याज दर पर बैंक तथा सहकारी समितियाँ ऋण देती हैं। किसान कृषि की आवश्यक वस्तुओं खाद, बीज, कीटनाशी आदि को खरीदकर उपज को बढ़ाकर अपना जीवन स्तर बढ़ाते हैं। शहरों में लोग छोटे उद्योग लगाकर अपना जीवन स्तर ऊँचा करते हैं। इससे देश की गरीबी तथा बेरोजगारी की समस्या का निदान सरलता से हो जाता हैं।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) भारत में दिए गए रूपरेखा मानचित्र में दो लक्षणों को A और B से दिखाया गया है। इन लक्षणों को निम्नलिखित

जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ दिसम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ गाँधी जी ने सूती वस्त्र मिल मज़दूरों के साथ सत्याग्रह किया।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) नामरूप – तापीय ऊर्जा संयंत्र

(ii) नरोरा – आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(iii) कोयम्बटूर – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) विजयनगर – लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) बैंगलोरू – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स

(vi) कोच्चि – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर

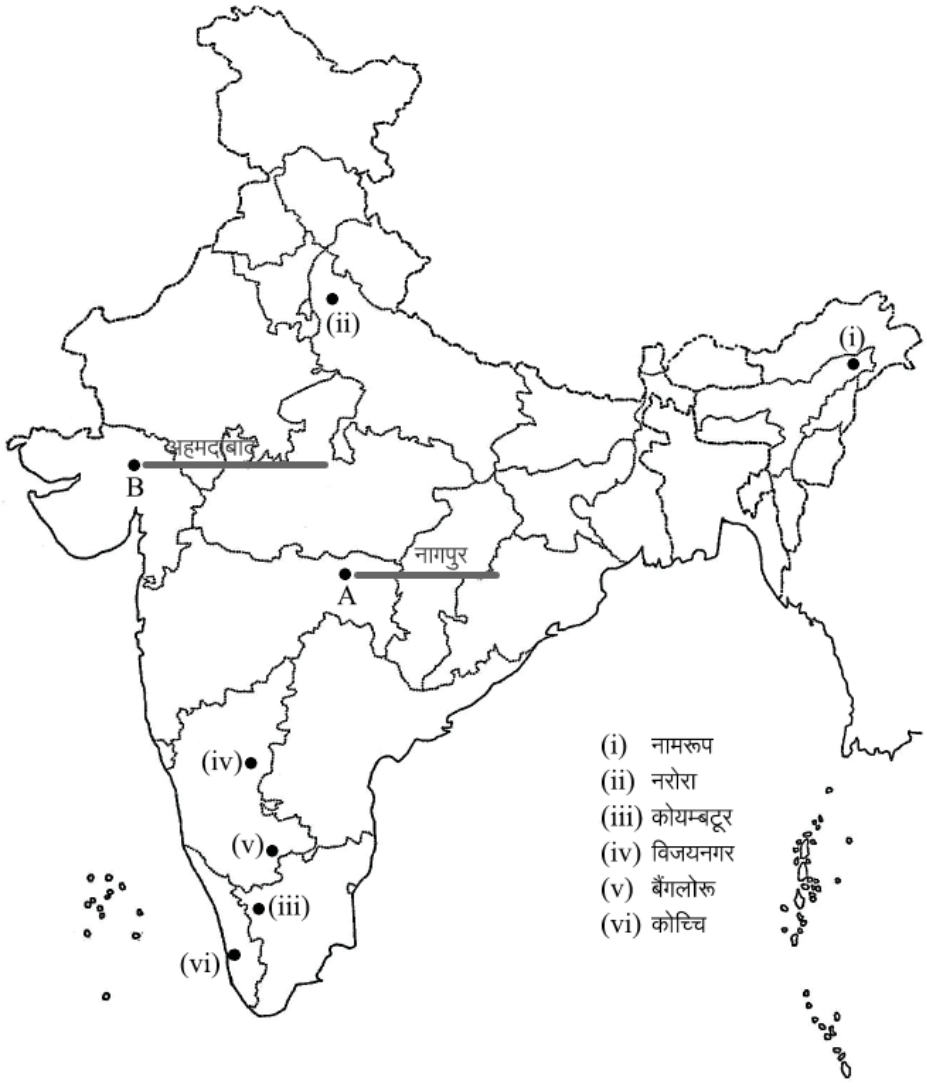

WWW.CBSE.ONLINE
Download Unsolved version of this paper from www.cbse.online